ज्ञानदीप

भारत सरकार
रेल मंत्रालय
भारतीय रेल सिविल इंजीनियरिंग संस्थान, पुणे – 411 001
(आई. एस. ओ. : 9001-2008 प्रमाणित भारतीय रेल का प्रथम केंद्रीकृत प्रशिक्षण संस्थान)
Government of India
Ministry of Railways
INDIAN RAILWAYS INSTITUTE OF CIVIL ENGINEERING PUNE 411001
(Indian Railways First ISO-9001-2008 Certified Centralized Training Institute)

ज्ञान ज्योति से मार्गदर्शन
To Beam As A Beacon of Knowledge

संस्थान – डी ओ टी (020)
26122271, 26123436
26123680, 26113452
रेलवे – 55222, 55862

छात्रावास – डी ओ टी (020)
26130579, 26126816
26121669
रेलवे – 53101, 53102, 253103

फैक्स: 020-26128677
रेलवे: 55860,
ई–मेल: mail@iricen.gov.in
वेब साइट : www.iricen.indianrailways.gov.in

वर्ष – 17 | अंक – 67 | जुलाई–सितंबर 2013

ज्ञान ज्योति से मार्गदर्शन To Beam as a Beacon of Knowledge

सभी पाठकों को इरिसेन परिवार की ओर से दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं

इस अंक में

1. इरिसेन में राजभाषा सप्ताह का आयोजन
2. मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण) का सेमिनार
3. मुख्य इंजीनियर (टी.पी.) का सेमिनार
4. प्रशिक्षण सेमिनार
5. स्वतंत्रता दिवस समारोह
6. राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 120$^{वीं}$ बैठक
7. समेकित पाठ्यक्रम में उत्कृष्ट अधिकारी
8. सदभावना दिवस
9. निकट भविष्य में आयोजित पाठ्यक्रम
10. स्वागत / विदाई
11. अनुकंपा के आधार पर नियुक्ति
12. सृजन

1. इरिसेन में राजभाषा सप्ताह का आयोजन

भारतीय रेल सिविल इंजीनियरिंग संस्थान, पुणे में राजभाषा सप्ताह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर दिनांक 19 एवं 20 सितंबर, 2013 को समारोह का आयोजन किया गया। दिनांक 19 सितंबर, 2013 को श्री सी.पी.तायल, निदेशक इरिसेन, पुणे द्वारा माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्ज्वलन के साथ समारोह का विधिवत शुभारंभ किया गया।

शुभारंभ समारोह के अवसर पर अधिकारी एवं कर्मचारी द्वारा स्वरचित कविता पाठ किया गया। निदेशक, इरिसेन श्री सी.पी.तायल ने इस शुभ अवसर पर अपने संबोधन में कहा कि देश में भिन्न भिन्न भाषाओं एवं विभिन्न बोलियों के अस्तित्व को समान मान्यता



राजभाषा सप्ताह में आयोजित कार्यक्रम के दौरान निदेशक, इरिसेन
श्री सी.पी.तायल, श्री श्याम खोंचे, सह प्राध्यापक को पुरस्कार प्रदान करते हुए



राजभाषा सप्ताह में आयोजित कार्यक्रम के दौरान निदेशक, इरिसेन
श्री सी.पी. तायल, श्री शैलेंद्र प्रकाश, सहा.ग्रंथपाल को पुरस्कार प्रदान करते हुए

देते हुए हिंदी ने अपना स्थान बनाया है। हिंदी भाषा सहजता एवं सरलता के साथ बोली जानेवाली भाषा तो है ही, साथ ही, अन्य भाषाओं को अपनाने में भी माहिर है। अपनी इसी व्यवहार कुशलता के कारण यह जन–जन की भाषा बन गई है।

आज देश में संकीर्ण संप्रदायवाद, अलगाववाद, आतंकवाद, असहिष्णुता जैसी अनेक समस्याओं का बोलबाला है। जिसके कारण हम भारतीय जीवन मूल्यों को भूलकर अपनी समन्वयवादी सामाजिक संस्कृति से दूर होते जा रहे हैं। ऐसे में राष्ट्र सेवा के संदर्भ में हम शिक्षित वर्ग का यह कर्तव्य हो जाता है कि देश की भावी पीढ़ियों को अपनी सामाजिक संस्कृति से जोड़े। वैसे तो रेलवे ने हिंदी की प्रगति में अहम भूमिका निभाई है। ऑफिस के कामकाज में बोलचाल की हिंदी का प्रयोग ही मुख्यत: इसकी सफलता का राज है। आपने बताया कि सभी के सहयोग एवं योगदान से संस्थान में राजभाषा विकास के पथ पर है। संस्थान में हर वर्ष भिन्न–भिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता

संरक्षक
श्री चंद्र प्रकाश तायल
निदेशक
भा.रे.सि.इं.सं.पुणे

मुख्य संपादक
शरद कुमार अग्रवाल
उप मुख्य राजभाषा अधिकारी
एवं प्राध्यापक, पुल

संपादक
अरुणाभा ठाकुर
वरिष्ठ अनुवादक

है। प्रतियोगिताएं स्वस्थ मानसिकता का प्रतीक हैं। इसके माध्यम से ज्ञान अर्जन का मौका मिलता है और ज्ञान कभी सीमा में बंधा नहीं होता। हिंदी त्यौहार के अवसर पर आपने सभी को शुभकामनाएं दीं।

श्री शरद कुमार अग्रवाल, उप मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्राध्यापक, पुल द्वारा प्रश्नमंच का आयोजन किया गया। कंप्यूटर के माध्यम से प्रोजेक्टर पर प्रस्तुत प्रश्न में सामाजिक, ऐतिहासिक, फिल्मी, तकनीकी एवं सामान्य ज्ञान आदि विषय पूछे गए थे। जिसमें संस्थान के अधिकारियों, प्रशिक्षु अधिकारियों, परिवीक्षार्थियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया।



राजभाषा सप्ताह के अवसर पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम का दृश्य

दिनांक 20 सितंबर, 2013 को राजभाषा सप्ताह के समापन के अवसर पर डीजल शेड, घोरपड़ी के सीनियर सेक्शन इंजीनियर श्री विवेक सूबेदार की टीम ''सा रे ग म प लिटिल चैम्प'' ने सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी। कलाकारों ने अपने मधुर गीतों का ऐसा समां बांधा कि सभी श्रोता मंत्र-मुग्ध हो गए। तत्पश्चात् संस्थान में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताएं जैसे टिप्पण आलेखन, कंप्यूटर पर टायपिंग, निबंध एवं वाक् इत्यादि में भाग लिए अधिकारियों एवं कर्मचारियों में से विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किया गया। वर्ष 2012-13 में हिंदी में अधिकाधिक कार्य करने हेतु अधिकारी वर्ग में श्री श्याम खोचे, सह प्राध्यापक, श्रीमती विद्या जम्मा, निजी सचिव, श्री शिवाजी तावड़े, तकनीशियन को पुरस्कृत किया गया। निबंध प्रतियोगिता में श्री शैलेंन्द्र प्रकाश, सहा.ग्रंथपाल-प्रथम, श्री ए.ए.निजामी, सी.से.इंजी.(कंप्यू.)-द्वितीय तथा श्री राजदीप शर्मा, तकनीकी सहायक (छात्रा.)- तृतीय स्थान पर रहे। वाक् प्रतियोगिता में श्री अनंत दसरे, सी.से.इंजी.(अनु.)-प्रथम, श्री सुनील पोफले, सी.से.इंजी. (ड्रा.)-द्वितीय तथा श्री बी.जी. घाटे, छात्रा.अधी.।।।-तृतीय रहे। वैसे ही टिप्पण एवं आलेखन प्रतियोगिता में श्री रोहिदास जागड़े, का. अधी, प्रथम स्थान पर, द्वितीय स्थान पर श्री शैलेंन्द्र प्रकाश, सहा. ग्रंथपाल तथा तृतीय स्थान पर श्री राजदीप शर्मा, तकनीकी सहायक (छात्रा.) रहे। उसी प्रकार हिंदी टायपिंग प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर श्री रोहिदास जागड़े, का.अधी., द्वितीय स्थान पर श्री आनंद कांबले, प्रवर लिपिक तथा तृतीय स्थान पर श्री महेन्द्र मलकप्पा, प्रवर लिपिक रहे। हिंदी शिक्षण योजना के अंतर्गत हिंदी टायपिंग परीक्षा में 90% से अधिक अंक प्राप्त करने पर श्री शैलेंन्द्र प्रकाश, सहा.ग्रंथपाल, को ₹ 800/- एवं हिंदी प्राज्ञ परीक्षा में श्री प्रकाश केरबा को ₹ 1600/- का नकद पुरस्कार प्रदान किया गया।



राजभाषा सप्ताह के कार्यक्रम में दर्शक दीर्घा में उपस्थित अधिकारीगण एवं प्रशिक्षु अधिकारीगण

राजभाषा सप्ताह के समापन के अवसर पर निदेशक श्री सी.पी.तायल एवं उप मुख्य राजभाषा अधिकारी व प्राध्यापक, पुल ने उपस्थित श्रोताओं को संबोधित किया। श्रोताओं द्वारा कार्यक्रम सराहना की गई।

2. मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण) का सेमिनार

इरिसेन में दिनांक 18 एवं 19 जुलाई, 2013 को मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण) का सेमिनार आयोजित किया गया। जिसमें सभी क्षेत्रीय रेलों के 18 अधिकारियों ने हिस्सा लिया। सेमिनार का शुभारंभ निदेशक, इरिसेन के स्वागत भाषण से हुआ। सेमिनार के दौरान विभिन्न प्रस्तावित कार्यसूची मदों पर विस्तार से चर्चा की गई



मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण) के सेमिनार का दृश्य

और प्रतिभागियों को अनुभव बताए गए। सेमिनार में निम्नलिखित प्रस्तुतीकरण भी दिए गए :श्री वी.के.संगल, मुख्य प्रशा.अधि.(निर्माण) एवं शरद मेहता, मु.इंजी./निर्माण/पश्चिम रेल द्वारा ''चर्चगेट एवं विरार के बीच एलिवेटेड उपनगरीय रेल कॉरिडोर,'' श्री ए. एस. गरुड़, मुख्य प्रशा. अधि. (निर्माण), पूर्वोत्तर सीमांत रेल द्वारा ''सुपर स्ट्रक्चर एट बोगीबिल ब्रिज,'' श्री नरेश लालवानी, वरिष्ठ प्राध्यापक/पुल-2 द्वारा ''डिस्चार्ज कैलकुलेशन,'' श्री एम.के.गुप्ता, मुख्य प्रशा.अधि.(निर्माण) मध्य रेल द्वारा ''प्लैटिनम रेटेड ग्रीन बिल्डिंग,'' श्री चाहते राम, मुख्य प्रशा.अधि.(निर्माण)/उत्तर पश्चिम रेल द्वारा ''इफेक्टिव मेथड ऑफ कन्सट्रक्टिंग लो हाईट सब-वे,'' इत्यादि। सलाहकार (कार्य), रेलवे बोर्ड श्री सुधीर मित्तल एवं कार्यकारी निदेशक (कार्य), श्री वेद प्रकाश ने भी प्रतिभागियों को संबोधित किया। प्रतिभागियों द्वारा सेमिनार की भरपूर प्रशंसा की गई।

3. मुख्य इंजीनियर (टी.पी.) का सेमिनार



मुख्य इंजीनियर टी.पी. सेमिनार का दृश्य

इरिसेन में दिनांक 25 एवं 27 जुलाई, 2013 को मुख्य इंजीनियर (टी.पी.) का सेमिनार आयोजित किया गया। जिसमें सभी क्षेत्रीय रेलों के 22 अधिकारियों ने हिस्सा लिया। सेमिनार में निदेशक, इरिसेन श्री सी.पी.तायल एवं कार्यकारी निदेशक(क्यू.ए.सी.), रेलवे बोर्ड ने प्रतिभागियों को संबोधित किया। सेमिनार के दौरान विभिन्न प्रस्तावित कार्यसूची मदों पर विस्तार से चर्चा की गई। सेमिनार के दौरान महाप्रबंधक/क्रिस, श्री राजाराम प्रसाद ने ''आईआरईपीएस-लेटेस्ट डेवलपमेंट'' पर प्रस्तुतीकरण दिया। सेमिनार में मुख्य रेलपथ इंजीनियर./मुख्य इंजीनियर. (टी.पी.) के पिछले सेमिनार की सिफारिश की समीक्षा की गई।

4. प्रशिक्षण सेमिनार



निदेशक इरिसेन के साथ प्रशिक्षण सेमिनार का दृश्य

दिनांक 22 एवं 23 अगस्त, 2013 को संस्थान में प्रशिक्षण सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार में 30 वरिष्ठ प्रशासनिक श्रेणी के अधिकारी एवं केन्द्रीय प्रशिक्षण संस्थानों के प्राचार्य उपस्थित हुए। श्री सी.पी.तायल, निदेशक, इरिसेन ने सेमिनार में उपस्थित सदस्यों को स्वागत भाषण दिया। तदुपरांत पिछले वर्ष के कार्यसूची की समीक्षा की गई तथा तात्कालिक कार्यसूची मदें जैसे कि भूमि एवं लाइसेंस, IRPWM मैनुअल के मसौदे, विविध मद एवं प्रशिक्षण के संबंध में चर्चा की गई। क्षेत्रीय रेलों द्वारा ग्रुप सी' एंड ग्रुप डी' के प्रशिक्षण पर भी प्रस्तुतीकरण दिया गया।

5. स्वतंत्रता दिवस समारोह



निदेशक, इरिसेन श्री सी.पी तायल
ध्वजारोहण के उपरांत संबोधन करते हुए

संस्थान में 15 अगस्त, 2013 को स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में निदेशक, इरिसेन श्री सी.पी.तायल ने ध्वजारोहण किया। राष्ट्रगान के उपरांत निदेशक ने उपस्थित प्रशिक्षुओं, अधिकारियों, परिवार के सदस्यों तथा कर्मचारियों को संबोधित किया। अपने संबोधन में आपने कहा कि इरिसेन अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त संस्थान है। यहां विदेशों के रेल अधिकारी भी प्रशिक्षण प्राप्त करने आते हैं। संपूर्ण विश्व में घर बैठे–बैठे इरिसेन वेबसाइट के जरिए जानकारी हासिल की जा सकती है। विश्वस्तरीय संगठन के स्वरूप को साकार करने का यह एक बेहतरीन जरिया है। इरिसेन को विश्वस्तरीय संगठन बनाने का सपना सभी के प्रयासों से फलीभूत होता प्रतीत होता है। आपने यह भी बताया कि कोरेगांव पार्क में छात्रावास के समीप पर्यावरण के अनुकूल भारतीय रेल पर सबसे पहला इरिसेन के नए Green Building का निर्माण कार्य संरचनागत रूप से लगभग पूरा हो चुका है एवं आंतरिक साज–सज्जा का काम किया जा रहा है। आपने खुशी व्यक्त की कि संस्थान शीघ्र ही नए भवन से कार्यरत हो जाएगा। राष्ट्रीय पर्व पर आपने सभी को अपनी शुभकामनाएं दीं।

6. राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 120वीं बैठक

दिनांक 31 जुलाई 2013 को श्री सी.पी.तायल, निदेशक, इरिसेन की अध्यक्षता में संस्थान के सम्मेलन कक्ष में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 120वीं बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में विशेष रुप से राजभाषा के उत्तरोतर प्रगति पर चर्चा की गई। निदेशक महोदय ने अपने संबोधन में बताया कि राजभाषा हिंदी एक संपर्क भाषा है और इस रुप में हिंदी बोलना एवं सीखना आसान होता है। हिंदी में बोलचाल की भाषा में काम करना चाहिए ताकि सहजता से इसे समझा जा सके। बैठक के अवसर पर आयोजित हिंदी और उर्दू के महानतम साहित्यकार मुंशी प्रेमचंद की जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम पर उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की।



रा.भा.का.स.की बैठक में निदेशक, इरिसेन श्री सी.पी तायल ने मुंशी
प्रेमचंद की जयंती के अवसर पर चित्र पर पर माल्यार्पण किया

मुंशी प्रेमचंद की जयंती के अवसर पर संस्थान के कर्मचारी श्री अफजल निजामी ने साहित्यकार के सम्मान में उनकी एक कहानी 'बारात' पर रोचक समीक्षा की। यह कहानी नारी–पुरुष के अहं एवं पति–पत्नी की कलह पर लिखी गई है। इस समीक्षा को हम इसी अंक के सृजन अंक में प्रकाशित कर रहे हैं।

राजभाषा कार्यान्वयन समिति के उपाध्यक्ष श्री शरद कुमार अग्रवाल, ने बताया कि राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक में, आधुनिक हिंदी साहित्य के मूर्धन्य साहित्यकार श्री प्रेमचंद जी की जयंती मनाई जा रही है जो एक क्रांतिकारी रचनाकार थे, उन्होंने न केवल देशभक्ति को, बल्कि समाज में व्याप्त अनेक कुरीतियों और समस्याओं को हूबहू कागज पर उतारा, जिसके कारण ही उन महान विभूति को कलम के सम्राट की उपाधि से नवाजा गया था। आपने राजभाषा के क्षेत्र में हो रही प्रगति की समीक्षा करते हुए सभी सदस्यों से सहयोग की अपेक्षा की तथा आपने सभी को धन्यवाद दिया।

7. समेकित पाठ्यक्रम में उत्कृष्ट अधिकारी

समेकित पाठ्यक्रम सं. 13102

प्रथम



रामकुमार तिवारी
स.का..इंजी., जबलपुर, प.म.रे.

द्वितीय



शिव कुमार जी.एन.ए
स.का.इंजी.नंदयाल.द.म.रे.

समेकित पाठ्यक्रम सं. 13103

प्रथम



राम मोहन शर्मा
स.का..इंजी., चंडीगढ़, उत्तर रेल

द्वितीय



जे. कुमार
स.का.इंजी.मद्रास, दक्षिण रेल

8. सदभावना दिवस

दिनांक 20 अगस्त, 2013 को पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्री राजीव गांधी की जयंती के अवसर पर सदभावना दिवस मनाया गया। संस्थान में भी सदभावना दिवस मनाया गया। इरिसेन के संकाय सदस्यों, प्रशिक्षु अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने स्वर्गीय श्री राजीव गांधी की याद में श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए आपसी सदभावना के संबंध में शपथ ली।

9. निकट भविष्य में आयोजित विशेष पाठ्यक्रम

क्र.	पा. सं.	पाठ्यक्रम का शीर्षक	प्रारंभ	समापन
1	13204	वरिष्ठ प्रशासनिक श्रेणी के लिए पुनश्चर्या पाठ्यक्रम	14/10/13	22/11/13
2	13417	ग्रीन बिल्डिंग, यूनिफाईड एसओआर एंड आई आरपीएसएम पर विशेष पाठ्यक्रम	18/11/13	22/11/13
3	13104	समूह 'ख' अधिकारियों के लिए समेकित पाठ्यक्रम	18/11/13	30/01/14
4	13604	ITEC/SCP के लिए पाठ्यक्रम	25/11/13	20/12/13
5	13418	रेल व्हील इंटरेक्शन एवं डिरेलमेंट पर विशेष पाठ्यक्रम	25/11/13	29/11/13
6	13309	मुख्य इंजी./टीएम का सेमिनार	28/11/13	29/11/13
7	13419	रेल ग्राइंडिंग पर विशेष पाठ्यक्रम	02/12/13	06/12/13
8	13715	आईआरएसएस के लिए जागरुकता पाठ्यक्रम	02/12/13	06/12/13
9	13008	आईआरएसई 2012 परीक्षा बैच के लिए परिचयात्मक पाठ्यक्रम	09/12/13	13/12/13
10	13007	आईआरएसई 2010 परीक्षा बैच के लिए तैनाती परीक्षा	09/12/13	13/12/13
11	13422	USFD Testing, वेल्डिंग,रेल ग्राइंडिंग एवं ट्रैक मानिटरिंग पर विशेष पाठ्यक्रम	16/12/13	20/12/13
12	13716	आईआरपीएस के लिए जागरुकता पाठ्यक्रम	16/12/13	20/12/13
13	13105	समूह 'ख' अधिकारियों के लिए समेकित पाठ्यक्रम	23/12/13	06/03/14
14	13422	ठेका एवं विवावचन पर विशेष पाठ्यक्रम	23/12/13	03/01/14
15	13605	ITEC/SCP के लिए पाठ्यक्रम	23/12/13	17/01/14
16	13208	वरिष्ठ व्यावसायिक विकास पाठ्यक्रम	30/12/13	21/02/14

10. स्वागत/विदाई

क. स्वागत



भारतीय रेल इंजीनियरिंग सेवा 1979 बैच के श्री आर.पी.सक्सेना ने 10 सितंबर, 2013 को वरिष्ठ प्राध्यापक, (इंजी.) का कार्यभार ग्रहण कर लिया है। इरिसेन में नियुक्ति से पहले आप मुख्य इंजीनियर (प्लानिंग) मुंबई, मध्य रेल पर कार्यरत थे। आपने रुड़की विश्वविद्यालय से सिविल इंजीनियरिंग में स्नातक एवं 1978 में आईआईटी दिल्ली से स्नातकोत्तर की डिग्री प्राप्त की है। दक्षिण पूर्व रेल से आपने अपने कैरियर की शुरुआत की तथा आप सम्बलपुर–थलचर प्रोजेक्ट के वरिष्ठ मंडल इंजीनियर/निर्माण, कोरापुट–रायगड़ प्रोजेक्ट के उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण, चक्रधरपुर एवं खड़गपुर में वरिष्ठ मंडल इंजीनियर, (समन्वय) एवं कोलकाता में मुख्य इंजीनियर (मुख्यालय) के पद पर भी काम कर चुके हैं। आपने मध्य रेल, दक्षिण पश्चिम रेल, एवं पश्चिम रेल के विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है। वर्ष 1986 में UNDP प्रोजेक्ट के अंतर्गत हैवी हाऊल ऑपरेशन के संबंध में 7 सप्ताह के प्रशिक्षण हेतु आप USA एवं कनाडा भी गए हैं। संस्थान आपका हार्दिक स्वागत करता है।



भारतीय रेल इंजीनियरिंग सेवा 1998 बैच के श्री महेश बी.डेकाटे ने 08 अगस्त, 2013 को प्राध्यापक, रेलपथ मशीन का कार्यभार ग्रहण कर लिया है। इरिसेन में नियुक्ति से पहले आप वरिष्ठ मंडल इंजीनियर /पूर्व, मुंबई, मध्य रेल पर कार्यरत थे। आपने सिविल इंजीनियरिंग में स्नातक की डिग्री प्राप्त की है। आप सहायक मंडल इंजीनियर, मालबाजार एवं बरसोई, पूर्वोत्तर सीमांत रेल, वरिष्ठ सहा. मंडल इंजीनियर, न्यू जलपाईगुड़ी एवं वरिष्ठ मंडल इंजीनियर लम्बडिंग, उप मुख्य इंजी. सिलचर, पूर्वोत्तर सीमांत रेल, वरिष्ठ मंडल इंजीनियर, दक्षिण, पुणे मध्य रेल इन पदों पर कार्य कर चुके हैं। संस्थान आपका हार्दिक स्वागत करता है।

ख. बिदाई



भारतीय रेल इंजीनियरिंग सेवा, 1988 बैच के अधिकारी श्री मनोज अरोरा, वरिष्ठ प्राध्यापक–रेलपथ–1, इरिसेन, पुणे का स्थानांतरण पश्चिम रेल पर मुख्य इंजीनियर (निर्माण) के पद पर हुआ है। आपने संस्थान में लगभग 6 वर्षों तक कार्य किया है। दिनांक 28 अगस्त, 2013 को आपको संस्थान के कार्यभार से भारमुक्त कर दिया गया। संस्थान आपके उज्जवल भविष्य की कामना करता है।



भारतीय रेल इंजीनियरिंग सेवा, 1987 बैच के अधिकारी श्री प्रदीप कुमार गर्ग, वरिष्ठ प्राध्यापक–रेलपथ–2, इरिसेन, पुणे का स्थानांतरण मध्य रेल पर मुख्य इंजीनियर (निर्माण) के पद पर हुआ है। आपने संस्थान में लगभग पांच वर्षों तक कार्य किया है। दिनांक 16 सितंबर, 2013 को आपको संस्थान के कार्यभार से भारमुक्त कर दिया गया। संस्थान आपके उज्जवल भविष्य की कामना करता है।



संस्थान के निजी सचिव, श्री वी. विजयकुमारन का स्थानांतरण डीएमआरसी/कोच्चि में उसी पद और वेतनमान में हुआ है। दिनांक 20 सितंबर, 2013 को उन्हें संस्थान के कार्यभार से भारमुक्त कर दिया गया। संस्थान आपके उज्जवल भविष्य की कामना करता है।



इरिसेन में दफ्तरी के पद पर कार्यरत श्री नंदू उजागरे, दिनांक 30 जून, 2013 को रेल सेवा से सेवा निवृत्त हो गए हैं। श्री नंदू काम के प्रति निष्ठावान रहे हैं। आपकी सेवानिवृत्ति पर संस्थान आपकी दीर्घायु एवं अच्छे स्वास्थ्य की कामना करता है एवं आपको ढेर सारी शुभकामनाएं देता है।

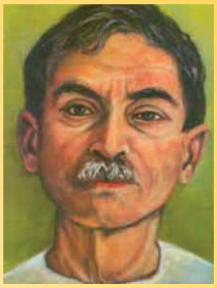
11. अनुकंपा के आधार पर नियुक्ति



संस्थान में कार्यरत दिवंगत श्री नारायण इलायत, निजी सचिव, ग्रेड–1 के निधन के पश्चात उनके पुत्र श्री प्रवीण नारायण की नियुक्ति अनुकंपा के आधार पर अवर लिपिक के रूप में की गई है। श्री प्रवीण ने दिनांक 06 अगस्त, 2013 को रेल सेवा ज्वाइन कर ली है।

12. सृजन

क. मुंशी प्रेमचंद जयंती पर विशेष



बाबू देवकीनाथ का विवाह काफी कम आयु की सुंदर एवं शीलवान कन्या फूलवती से होता है। परंतु विवाह के प्रथम दिवस से ही पति–पत्नी में कलह प्रारंभ हो जाती है। देवकीनाथ पुराने विचार वाले व्यक्ति थे वहीं फूलवती आधुनिक विचारों को पसंद करनेवाली महिला थीं। वास्तव में यहीं कलह का कारण था इस कलह को निरंतर कई वर्ष हो चुके थे। फूलवती अपने मायके में रहने लगी थी दूसरी तरफ देवकीनाथ ने दूसरे विवाह का मन बना लिया था। विवाह की तैयारियां शुरू हो जाती है। बारात निकलने का दिन भी आ जाता है।

फूलवती को इसकी खबर हो जाती है। उसे इस खबर पर अचंभा होता है। वह होशो–हवाश खोकर तांगे में बैठकर अपने ससुराल पहुंचती है। बारात निकलने ही वाली होती है कि गाड़ी के सामने फूलवती को खड़ी देखकर देवकीनाथ के होश उड़ जाते हैं। दोनों में खूब वाद–विवाद होता है। अंत में विवाद अपने चरम पर पहुंचता है एवं देवकीनाथ फूलवती से कहते हैं कि सामने से हट जाओ, वरना मैं गाड़ी तुम्हारे उपर चला दूंगा। फूलवती भी जिद में अड़ जाती है। गाड़ी फूलवती के ऊपर से चला दी जाती है। गांव वाले उसकी क्षत–विक्षत शरीर को देखकर अपना आपा खो बैठते हैं। गाड़ी से देवकीनाथ को बाहर निकालकर उसे भी मार–मारकर परलोक पहुंचा देते हैं। रात का समय होता है। दो बारात एक साथ निकलती है जिसमें फूलमाला भी होती है, बाजे भी होते हैं। मगर यह बारात शमशान की ओर बढ़ रही होती है ।

श्री अफजल अली निजामी,
कर्मचारी, इरिसेन

ख. पार्किंग समस्या

सिर्फ आपके लिए मैं कुछ लिखता हूं, अटक–लटक कर दिन भर भटकता हूं।
जो दिखता है वही दिखाना चाहता हूं, पुराना है रिश्ता, निभाना चाहता हूं।।
ऐसे ही भटकते हुए एक चौराहे पर जा पहुंचा,
बीच में खड़े गांधी बाबा को देख मैंने सोचा।
ये तो शायद वर्षों से यूं ही खड़े हैं, गले के हार पिछले दो अक्टूबर के पड़े हैं।।
निश्चल खड़े बाबा तमाशा देखते अड़े हैं, नीचे बगीचे में कुछ लोग भूखे नंगे पड़े हैं।
और लगे फव्वारे का नजारा भी बदल गया है,
टूटा हुआ है घेरा, पंप–पाइप गायब हो गया है।।
सामने का नजारा तो देखो कितना विचित्र है,
वयस्कों की फिल्म का लगा अश्लील चित्र है।
साहित्यिक किताब की दुकान अब उठ गई है,
शानदार देशी दारू की दुकान वहां बैठ गई है।।
सोचा मैंने, वही गांधी बाबा सोच रहे होंगे,
चिरकाल से खड़े, बचे सिर के बाल नोंच रहे होंगे।
खड़े यहां होने पर मुझे, आपकी असुविधा हेतु खेद है,
यहां पड़े रहने का कारण नेताओं में मतभेद है।।
मुझे कोई हटा क्यों नहीं पाता है,
क्योंकि नेताओं का समय व्यर्थ वाक् युद्ध में जाता है।
यदि कोई मुझे स्वच्छ जगह में बैठा देगा,
तो पार्किंग समस्या का हल भी बेहतर निकल आएगा।।

श्याम खोचे, सह प्राध्यापक

हिंदी वह धागा है, जो भिन्न–भिन्न मातृभाषा रूपी फूलों को पिरोकर भारत माता के लिए सुंदर हार का सृजन करेगी।

– डॉ. जाकिर हुसैन

शरद कुमार अग्रवाल, उप मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्राध्यापक, पुल, भारतीय रेल सिविल इंजीनियरिंग संस्थान, पुणे–1 द्वारा केवल सीमित निशुल्क वितरण हेतु प्रकाशित